|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Santosh Singh	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	23 / 05 / 1981	TIME OF BIRTH :	18:10:00 PM
CITY :	Bhadohi	STATE :	Uttar Pradesh
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Gemstone Suggestion
QUESTION(S) :	Mujhe kaun sa ya kaun kaun sa gemstone kis dhatu me aur kis finger ya neck me pahnna chahiye dhan himat aur family ke liye aur naukri ke liye		
Mobile No. : 8000061756		Email ID : srkrajput101@gmail.com	
ORDER ID : #1067	PAYMENT ID : 271824953	AMOUNT : ₹299	
Order Date : 06/09/2019		Delivery Date : 09/09/2019	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	वृश्चिक
चंद्र राशि :	धनु
ईष्ट देव :	दुर्गा जी

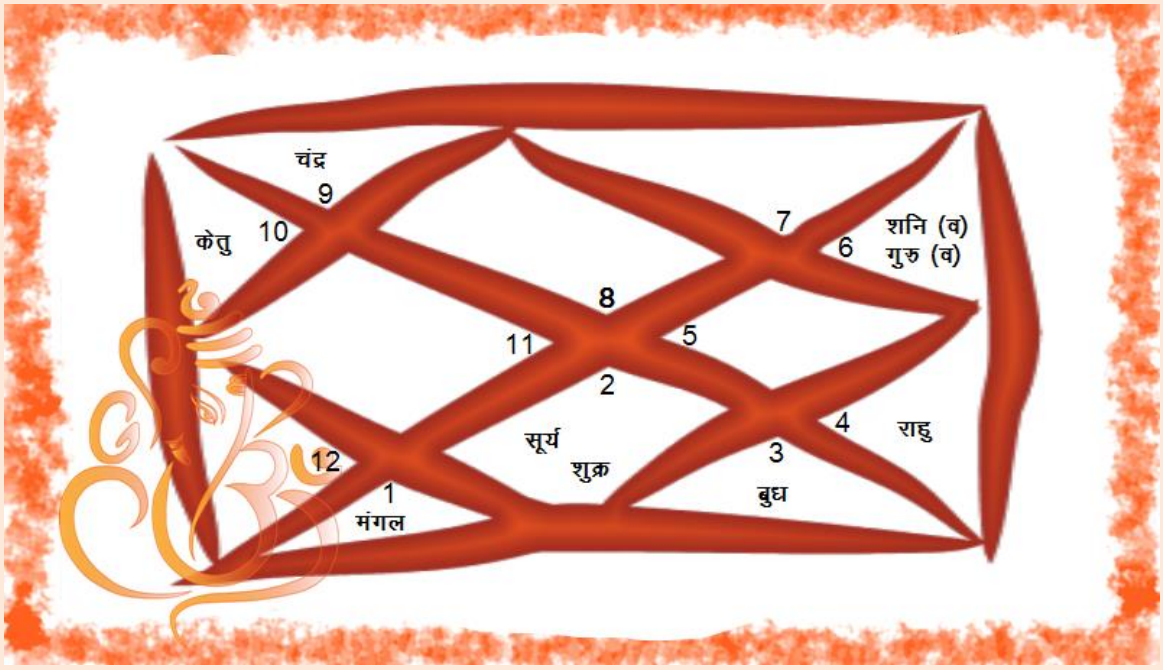

ॐ श्री गणेशाय नमः

रत्न परामर्श कुंडली फलादेश

श्रीमान संतोष सिंह जी, आपकी कुंडली सम्बंधित प्रश्न के अनुसार आपको जिन रत्नो को धारण करने का परामर्श किया जाता है वह इस प्रकार है :-

गोमेद :-

आप कम से कम सवा पांच रत्ती के गोमेद रत्न को लोहे के लॉकेट में जड़वाएं, इस लॉकेट को चाँदी की चेन में डालें व किसी शुक्ल पक्ष के शनिवार को शुभ महूर्त में प्रातः 6:15 से 6:30 के बीच गले में धारण करें | धारण करने से पूर्व इसे पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल) से स्नान कराएं व तत्पश्चात गंगा जल से स्नान कराएं व धूप- दीप दिखाएं | अब "ॐ रां राहवे नमः" मन्त्र को समय व क्षमता अनुसार जपें, मंत्र जप गिनना नहीं है | व तत्पश्चात राहु देव से अपने उज्जवल व्यवसाय/नौकरी व भविष्य की प्रार्थना करें अथवा जो मनोकामना हो मांगे व माला धारण कर लें | ऐसा करने से आपको मानसिक शांति प्राप्त होगी, आपको व्यवसाय/नौकरी से लाभ प्राप्त होने के योग बनेंगे |

घ्यान रहे गोमेद दिनांक: 08-05-2021 तक ही धारण करना है तत्पश्चात इसे धारण न करें |

नोट :- दिनांक 08-05-2021 को गोमेद उतारने के पश्चात दिनांक 09-05-2021 को अथवा इसके पश्चात पुखराज धारण करें |

पुखराज :-

पुखराज धन, परिवार, संतान सुख में वृद्धि का कारक रहेगा |

पुखराज अथवा येलो सफायर को स्वर्ण की अंगूठी में जड्वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार के दिन सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर अथवा करके धारण करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, शहद, घी एवं शक्कर के घोल में डाल दे, फिर पांच अगरबत्ती बृहस्पति देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बृहस्पति देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न पुखराज धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करें | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ ब्रह्म ब्रह्स्पतिये नमः" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से 108 बार ही घुमाए तत्पश्चात अंगूठी विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर तर्जनी अंगुली (अंगूठे से पहली) में धारण करे |

बृहस्पति के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का पुखराज ही धारण करे, अच्छे प्रभाव के लिए पुखराज का रंग हल्का पीला और दाग रहित होना चाहिए , पुखराज में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभावों में कमी आ सकती है | प्रभाहीन, धारीदार, दूधिया रंग वाला, जालदार, काली छींटों से युक्त अथवा सफेद बिन्दुओं से युक्त पुखराज रत्न का धारण अथवा प्रयोग सर्वथा निषेध होता है। लाल छींटे, गड्ढे, खरोंच और एक साथ दो रंगों से युक्त पुखराज रत्न भी अनिष्ट का कारक होता है।

चांदी का छल्ला :-

सीधे हाथ के अंगूठे में शुक्ल पक्ष के किसी सोमवार को प्रातः 6:15 से 6:30 के बीच धारण करें | इसको धारण करने से पारिवारिक सम्बन्ध शांत रहेंगे व आय बढ़ाने में सहायता करेगा | धारण करने से पूर्व इसे पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल) से स्नान कराएं व तत्पश्चात गंगा जल से स्नान कराएं | अब "ॐ सोम सोमाय नमः" मन्त्र को समय व क्षमता अनुसार जपें, मंत्र जप गिनना नहीं है | तत्पश्चात चंद्र देव से अपने परिवार में सुख शांति, उज्जवल व्यवसाय/नौकरी हेतु प्रार्थना करें | आप इसे जीवन पर्यन्त धारण करें|

स्वर्ण आभूषण :-

स्वर्ण आभूषण अधिक से अधिक धारण करें | स्वर्ण की चेन भी धारण करना लाभप्रद रहेगा | किसी भी दिन धारण कर सकते हैं अथवा बृहस्पतिवार के दिन धारण करें | आप स्वर्ण आभूषण जीवन पर्यन्त धारण करें |

क्रोध की अधिकता से अधिक परेशान हैं तो मूंगा व मोती धारण करें | मूंगा आपकी क्षमता में वृद्धि करेगा यह आपको कठिन समय में जूझने की क्षमता प्रदान करेगा | मोती आत्मविश्वास में वृद्धि कर क्रोध की तीव्रता में ह्रास करेगा |

मूंगा :-

मूंगा आपकी क्षमता में वृद्धि करेगा यह आपको कठिन समय में जूझने की क्षमता प्रदान करेगा |

मंगल देव के रत्न, मूंगे को स्वर्ण या ताम्बे की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के मंगलवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, घी, शहद एवं शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती मंगल देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे मंगल देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न मूंगा धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ अं अंगारकाय नमः" का 108 बार

जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए तत्पश्चात अंगूठी हनुमान जी के चरणों से स्पर्श कराकर अनामिका में धारण करे | मंगल के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का मूंगा ही धारण करे, मूंगे का रंग लाल और दाग रहित होना चाहिए, मूंगे में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभाओं में कमी आ सकती है |

मोती :-

मोती आत्मविश्वास में वृद्धि कर क्रोध की तीव्रता में ह्रास करेगा |

मोती धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको १० से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का मोती धारण करें | माना की आपका वजन ७० किलो है इसे १० से भाग करने पर ७ अंक आता है अर्थात आपको सवा सात रत्ती का मोती धारण करना है | मोती को चाँदी की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्लपक्ष के दूसरे सोमवार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी को दूध, गंगा जल, शक्कर और शहद के घोल में डाल दे | उसके बाद पांच अगरबत्ती चंद्रदेव के नाम जलाये और प्रार्थना करें कि हे चन्द्र देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न, मोती धारण कर रहा हूँ , कृपया करके मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ सों सोमाय नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए फिर मंत्र के पश्चात् अंगूठी को शिवजी के चरणों से लगाकर कनिष्ठिका ऊँगली में धारण करे | शुद्ध और श्रेष्ठ मोती गोल, श्वेत, उज्ज्वल, चिकना, चन्द्रमा के समान कान्तियुक्त, निर्मल एवं हल्कापन लिए होता है।

नोट :-

♦ दिनांक 08-05-2021 को गोमेद उतारने के पश्चात दिनांक 09-05-2021 को अथवा इसके पश्चात ही पुखराज रत्न धारण करें |

♦ अन्य रत्न भी एक साथ नहीं धारण करने हैं, धीरे-धीरे एक-एक कर ही धारण करें |

विशेष उपाय :-

♦ संध्या के समय ग्रे अथवा काले वस्त्र न धारण करें |

♦ संध्या के समय धूप बत्ती न जलाएं | घर में किसी प्रकार का धुंआ न करें | रसोईघर में छौंक से उत्पन्न धुए को बाहर निकालने की उचित व्यवस्था करें, उसे रसोईघर अथवा घर में न घूमने अथवा घुटने दें |

♦ कुत्तों को कुछ दूध में भिगोकर रोटी खिलाएं |

नोट :- रत्न अच्छी क्वालिटी का व दोषमुक्त ही धारण करना उत्तम फलदाई होता है | दोषयुक्त व नकली रत्न विपरीत प्रभाव भी दे देते हैं | रत्न समय के साथ धीरे-धीरे व एक-एक कर धारण करते रहें | तुरंत धारण आवश्यक नहीं है, क्यूंकि यह कॉस्टली होते हैं | रत्न विश्वासपात्र व्यक्ति अथवा विश्वसनीय स्थान से ही खरीदें|

ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

डिस्क्लेमर :- कुंडली विवेचना एवं प्रदत्त परामर्श पूर्णतया आपके द्वारा उपलब्ध कराये गए दिवस, समय एवं स्थान पर आधारित हैं | उपलब्ध दिवस, समय एवं स्थान भिन्न होने पर प्रस्तुत विवेचना एवं परामर्श परिवर्तित हो जायेगा जो आपके जीवन घटनाचक्र से भिन्न होगा |

— — — — — — — — — — — —